Education with Fun

Name: ______________________________ Date: ____________________

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

प्रश्न-1 जब पहली बोलती फिल्म प्रदर्शित हुई तो उसके पोस्टरों पर कौन-से वाक्य छापे गए? उस फिल्म में कितने चेहरे थे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर ____

____

____

____

प्रश्न-2 'आलम आरा' की शूटिंग के लिए कृत्रिम प्रकाश की व्यवस्था क्यों करनी पड़ी?

उत्तर ____

____

____

____

प्रश्न-3 पहला बोलता सिनेमा बनाने के लिए फिल्मकार अर्देशिर एम. ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली? उन्होंने आलम आरा फिल्म के लिए आधार कहाँ से लिया? विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर ____

____

____

____

https://educationwithfun.com

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

प्रश्न-1 जब पहली बोलती फिल्म प्रदर्शित हुई तो उसके पोस्टरों पर कौन-से वाक्य छापे गए? उस फिल्म में कितने चेहरे थे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर देश की पहली बोलती फिल्म के विज्ञापन के लिए छापे गए वाक्य इस प्रकार थे - "वे सभी सजीव हैं, साँस ले रहे हैं, शत-प्रतिशत बोल रहे हैं, अठहत्तर मुर्दा इनसान जिंदा हो गए, उनको बोलते, बातें करते देखो।" पाठ के आधार पर 'आलम आरा' में कुल मिलाकर 78 चेहरे थे अर्थात् काम कर रहे थे।

प्रश्न-2 'आलम आरा' की शूटिंग के लिए कृत्रिम प्रकाश की व्यवस्था क्यों करनी पड़ी?

उत्तर 'आलम आरा' का संगीत उस समय डिस्क फॉर्म में रिकॉर्ड नहीं किया जा सका, फिल्म की शूटिंग शुरू हुई तो साउंड के कारण ही इसकी शूटिंग रात में करनी पड़ती थी। मूक युग की अधिकतर फिल्मों को दिन के प्रकाश में शूट कर लिया जाता था, मगर आलम आरा की शूटिंग रात में होने के कारण इसमें कृत्रिम प्रकाश की व्यवस्था करनी पड़ी।

प्रश्न-3 पहला बोलता सिनेमा बनाने के लिए फिल्मकार अर्देशिर एम. ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली? उन्होंने आलम आरा फिल्म के लिए आधार कहाँ से लिया? विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर फिल्मकार अर्देशिर एम. ईरानी ने 1929 में हॉलीवुड की एक बोलती फिल्म 'शो बोट' देखी और तभी उनके मन में बोलती फिल्म बनाने की इच्छा जगी। पारसी रंगमंच के एक लोकप्रिय नाटक को आधार बनाकर उन्होंने अपनी फिल्म की पटकथा बनाई।

https://educationwithfun.com